No. of Printed Pages : 4

एम.एच.डी.-11

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

फरवरी, 2021

एम.एच.डी.-11 : हिन्दी कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) शकलदीप बाबू का चेहरा फक पड़ गया । उनके पैरों में जोर नहीं था और मालूम पड़ता था कि वे गिर जाएँगे । जंग बहादुर तो मंदिर में चले गए । लेकिन वे कुछ देर तक वहीं सिर झुकाकर इस तरह खड़े रहे, जैसे कोई भूली बात याद कर रहे हों । फिर वे चौंक पड़े और अचानक उन्होंने तेज़ी से चलना शुरू कर दिया । उनके मुँह से धीमे स्वर में तेज़ी से शिव-शिव निकल रहा था । आठ-दस गज आगे बढ़ने पर उन्होंने चाल और तेज़ कर दी, पर शीघ्र ही बेहद थक गए और एक नीम के पेड़ के नीचे खड़े हो कर हाँफने लगे ।

(ख) जले हुए किवाड़ का वह चौखट मलबे में से सिर निकाले साढ़े सात साल खड़ा तो रहा था, पर उसकी लकड़ी बुरी तरह भुरभुरा गई थी । गनी के सिर के छूने से उसके कई रेशे झड़कर आसपास बिखर गए । कुछ रेशे गनी की टोपी और बालों पर आ रहे । उन रेशों के साथ एक केंचुआ भी नीचे गिरा जो गनी के पैर से छह आठ इंच दूर नाली के साथ-साथ बनी ईंटों की पटरी पर इधर-उधर सरसराने लगा । वह छिपने के लिए सूराख ढूँढ़ता रहा । जरा-सा सिर उठाता, पर कोई जगह न पाकर दो-एक बार सिर पटकने के बाद दूसरी तरफ मुड़ जाता ।

(ग) अगली सुबह सावित्री घर में नही थी और राजदेव को लग रहा था, हथेली के वे आँसू सूखे नहीं हैं । वह जगह अभी भी भीगी हुई है । वह बार-बार उस स्थान को अपनी आँखों से स्पर्श कराता और भावुक हो जाता । अपने बाल नोंचता और फुसफुसाता, 'मैं पापी... मैं पापी... ।' वह अपने कमरे में घुसता तो सूना महसूस करता । हालाँकि सभी कुछ उसी तरह था, केवल एक बक्सा नहीं था पर लगता ऐसा था कि कमरे की छत कुछ नीचे खिसक आई है और कोई दीवार कम हो गई है । वह तकिए में मुँह छिपाकर लेट गया ।

(घ) घर पहुँचते-पहुँचते अँधेरा घिर गया था; हाथ-मुँह धोकर उसने जल्दी-जल्दी खाना खाया और फिर बच्चे को लेकर आँगन में झिलँगी चारपाई पर आ बैठा । साँझ अत्यधिक उदास हो आयी थी । बच्चे ने कुछ देर तक उससे खेलने का प्रयत्न किया, लेकिन पिता की ओर से विशेष प्रोत्साहन न पाने पर वह कब माँ के पास चला गया, इसका उसे ध्यान न रहा । जिनकी उसे प्रतीक्षा थी उनमें से कोई भी न आया था, केवल हरीराम ने आकर अब तक दो-तीन बीड़ियाँ फूँक ली थीं । हरीराम की ओर से ही दो-तीन बार बातचीत शुरू करने का प्रयत्न किया जा चुका था लेकिन उसके अटूट मौन के कारण हर बार यह प्रयत्न विफल सिद्ध हुआ । इस बार फिर हरीराम ने ही बात छेड़ी ।

2. 'तीसरी कसम' कहानी के 'हिरामन' का चरित्र चित्रण कीजिए । *10*

3. ' 'बिरादरी' कहानी मध्यवर्गीय समाज की विसंगतियाँ व्यक्त करती है ।' इस कथन का मूल्यांकन कीजिए । *10*

4. 'गौरेया' कहानी में निहित साम्प्रदायिकता के संदर्भ पर विचार कीजिए । *10*

5. 'पार्टीशन' कहानी की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए । *10*

6. साठोत्तरी कहानी के संदर्भ में 'सुख' का मूल्यांकन कीजिए । *10*

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) कथाकार रघुवीर सहाय

(ख) नई कहानी

(ग) 'तलाश' कहानी का महत्त्व

(घ) 'डिप्टी कलक्टरी' के शकलदीप बाबू